NEXT™ 2025
NEWS EXCELLENT TODAY

नववर्ष 2025 नवोन्मेष
नववर्ष नवोन्मेष, करें 2025 में प्रवेश।
बढ़ता रहे स्नेह, वात्सल्य, प्रेम अनिमेष।।

तापमान (डिग्री सेल्सियस)

	अधिकतम	न्यूनतम
श्री डूंगरगढ़	22.0	7.0
बीकानेर	21.0	7.0
जयपुर	23.0	7.0

E- Paper NEXT 0021

newsexcellenttoday.com | 01 जनवरी 2025, बुधवार | पौष, शुक्ल पक्ष द्वितीया - 2081

17500 किलोग्राम दाल के हलवे का माँ करणी को लगेगा भोग, बन सकता है विश्व रिकॉर्ड

NEXT नए साल की शुरुआत बीकानेर के देशनोक में एक ऐतिहासिक आयोजन के साथ हो रही है। करणी माता मंदिर में 17,500 किलो दाल के हलवे का महाप्रसाद तैयार किया जा रहा है। आयोजकों का दावा है कि यह विश्व का सबसे बड़ा भोग है और इसे गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज कराने की प्रक्रिया चल रही है। मंदिर के महंत डॉ. करणी प्रताप सिंह ने बताया कि इस बार पहली बार दाल के हलवे को महाप्रसाद के रूप में तैयार किया जा रहा है। **इसके लिए 3130 किलो मूंग दाल, 3130 किलो घी, 3912 किलो चीनी, 4500 किलो मावा, 6 किलो इलायची, 100 किलो बादाम कतरन, 51 किलो पिस्ता और 1 किलो केसर समेत अन्य सामग्री का उपयोग किया गया है।**

महाप्रसाद तैयार करने में 200 से अधिक कार्यकर्ता पिछले दो दिनों से जुटे हुए हैं। मंदिर में भारी-भरकम कढ़ाईयों का उपयोग किया जा रहा है, जो महाराजा गंगा सिंह के समय से यहां मौजूद हैं।

आयोजन समिति का कहना है कि दुनिया में अब तक इतना बड़ा प्रसाद नहीं बनाया गया है। इसे गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज कराने के लिए संबंधित टीम को आमंत्रित किया गया है।

महाप्रसादी में भाग लेने देशभर से आ रहे श्रद्धालु, बुधवार को वितरण

इस आयोजन में भाग लेने के लिए जयपुर, जोधपुर, नागौर और अन्य शहरों से बड़ी संख्या में भक्त देशनोक पहुंचे हैं। शहर की अधिकांश धर्मशालाएं और होटल बुक हो चुकी हैं। महाप्रसाद का वितरण बुधवार को होगा। मंदिर परिसर में दोपहर 3 बजे कथा का आयोजन होगा, जिसका वाचन महंत डॉ. करणी प्रताप सिंह करेंगे। तैयार किया गया हलवा देशनोक के हर घर में वितरित किया जाएगा।

अनियंत्रित होकर डम्पर पलटा, आग लगी

NEXT मंगलवार सुबह रोड़ी से भरा एक डंपर जोधासर के पास पलटी मार गया जिसके कारण उसमें आग लग गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार एक रोड़ी से भरा डंपर बीकानेर की ओर जा रहा था। तब संतुलन बिगड़ने से वह पलटी मार गया और उसमें आग लग गई। चालक आग लगने से पहले डंपर से सुरक्षित बाहर निकल गया जिसके कारण कोई जनहानि नहीं हुई।

सूचना मिलते ही सेरूणा थानाधिकारी पवन कुमार शर्मा और हेड कॉन्स्टेबल आवड़दान मय पुलिस दल वहां पहुंचे और फायर बिग्रेड को सूचना दी। पुलिस

के जवानों और फायर बिग्रेड ने मिलकर आग पर काबू पाया। गौरतलब है कि आज सुबह घना कोहरा छाया रहा जिसके कारण दृश्यता काफी कम थी और चालक द्वारा डंपर अनियंत्रित हो गया।

सोमवती अमावस्या पर दिनभर चला दान पुण्य का क्रम

NEXT श्रीडूंगरगढ़ क्षेत्र में सोमवती अमावस्या का पर्व श्रद्धा, सेवा और समर्पण का अनुपम उदाहरण बनकर उभरा। धार्मिक मान्यता के अनुसार मलमास की सोमवती अमावस्या को दान-पुण्य और गौसेवा का विशेष महत्व है। मान्यता है कि इस दिन किए गए पुण्य कार्य से जीवन में सुख, समृद्धि और शांति प्राप्त होती है। सोमवती अमावस्या पर गौभक्तों और ग्रामीणों ने पूरे उत्साह के साथ धर्म और परोपकार के कार्यों में भाग लिया।

मलमास की सोमवती अमावस्या के पावन अवसर पर श्रीडूंगरगढ़ और आसपास के क्षेत्रों में दिनभर दान-पुण्य और धार्मिक आयोजनों का सिलसिला चलता रहा। क्षेत्र की गौशालाओं में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए, जहां श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

श्रीडूंगरगढ़ की गोपाल गौशाला में दिनभर दान-पुण्य का कार्य चलता रहा। गौ भक्तों ने विभिन्न प्रकार की सेवाएं कीं। वहीं, बाड़ेला गांव की **श्री गिरधर गोपाल गौशाला** में सत्संग और हवन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने लापसी

बनाकर गौ माता को अर्पित की।

सेरूणा और जैसलसर गांवों में भी गौसेवा की अनोखी मिसाल देखने को मिली। स्वयंसेवकों ने विशाल कड़ाही में लापसी बनाकर गौवंश को खिलाया। इसी प्रकार, **सातलेरा गांव की श्री शिव गौशाला में** दान-पुण्य का सिलसिला दिनभर जारी रहा। यहां मुरलीधर तावनियां परिवार और भंवरलाल मेघवाल परिवार ने सवामणी के रूप में लापसी बनाकर गौ माता को खिलाई।

गौशालाओं में ग्रामीणों ने गुड़, खल, चूरी और चारा आदि दान किए। महिलाओं ने भजन-कीर्तन कर गौ माता से आशीर्वाद लिया।

NEXT के लोगो और सोशल साइट के सिंबल पर क्लिक करते ही साइट ओपन होती है। तो जुड़े रहिए NEXT के साथ

मुश्किलों को मात देकर मिसाल बने विक्रम सिंह

नववर्ष पर साहस और संकल्प की प्रेरणादायक कहानी

डर मुझे भी लगा फासला देख कर,
पर मैं बढ़ता गया रास्ता देख कर।
खुद ब खुद मेरे नजदीक आती गई,
मेरी मंजिल मेरा हौंसला देख कर।।

यह कहानी है विक्रम सिंह की, जो श्रीडूंगरगढ़ क्षेत्र के युवा नेता और प्रेरणास्त्रोत हैं। विक्रम ने अपनी मेहनत और कड़ी लगन से अपनी जिंदगी में कई क्षेत्रों में सफलता प्राप्त की, चाहे वह राजनीतिक, सामाजिक या आर्थिक क्षेत्र हो। वे न केवल एक प्रभावशाली नेता थे, बल्कि उनके सौम्य और मिलनसार व्यवहार के कारण लोग उन्हें पसंद करते थे। लेकिन 22 नवंबर 2018 को एक सड़क दुर्घटना ने उनकी जिंदगी का रुख बदल दिया।

इस हादसे में विक्रमसिंह की रीढ़ की हड्डी टूट गई, जिससे उनके शरीर के आधे हिस्से ने काम करना बंद कर दिया और एक पैर पैरालाइज हो गया। उस समय सबने मान लिया कि विक्रम अब कभी अपनी मदद से खड़े नहीं हो पाएंगे और उनका करियर खत्म हो चुका है।

हालांकि, विक्रम सिंह ने हार नहीं मानी। तीन महीने तक बिस्तर पर पड़े रहने के बाद, उन्होंने दृढ़ इच्छाशक्ति और अपने परिवार व मित्रों के सहयोग से फिर से खड़ा होने की ठानी। विक्रम सिंह ने खुद को साबित किया कि शारीरिक दुर्बलता किसी के लक्ष्य की राह में आड़े नहीं आ सकती। उनकी कड़ी मेहनत और मानसिक ताकत ने उन्हें फिर से अपने

विक्रम सिंह कहते हैं कि जीवन में हालात चाहे जैसे भी हों, हमें अपने लक्ष्य से भटकना नहीं चाहिए, व्यक्ति को मुश्किलों का सामना और सम्मान करना चाहिए।

पैरों पर खड़ा कर दिया।

विक्रम सिंह कहते हैं कि जीवन में हालात चाहे जैसे भी हों, हमें अपने लक्ष्य से भटकना नहीं चाहिए, व्यक्ति को मुश्किलों का सामना और सम्मान करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि कई लोगों ने उन्हें लाचार समझा और उनसे दूरियां बना लीं, लेकिन उन्होंने कभी हार नहीं मानी और अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते रहे। उनके संघर्ष और आत्मविश्वास ने उन्हें एक प्रेरणा बना दिया, जो दूसरों को भी कठिन परिस्थितियों में संघर्ष करने की प्रेरणा देता है।

पसीने की स्याही से जो लिखते हैं इरादें को,
उसके मुक्कद्दर के सफ़ेद पन्ने कभी कोरे नही होते।

आज विक्रम सिंह की कहानी एक मिसाल है, जो यह सिद्ध करती है कि अगर मन में ठान लिया जाए तो कोई भी मुश्किल इंसान को उसकी मंजिल तक पहुंचने से नहीं रोक सकती।

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि

NEXT पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की श्रद्धांजलि सभा श्रीडूंगरगढ़ के कांग्रेस कार्यालय में आयोजित की गई, जिसमें कांग्रेस के प्रमुख नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए। इस दौरान डॉ. मनमोहन सिंह के व्यक्तित्व, उनके नेतृत्व और उनकी आर्थिक नीतियों पर प्रकाश डालते हुए सभी ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। सभा में उनके विचारों और देश के प्रति उनके समर्पण को याद किया गया।

इस मौके पर पूर्व विधायक मंगलाराम गोदारा ने उन्हें एक महान अर्थशास्त्री और दूरदर्शी नेता बताते हुए कहा कि उनकी कमी पूरे देश को खलेगी। उन्होंने डॉ. सिंह के योगदान को देश के विकास के लिए अद्वितीय बताया।

सभा में अन्य प्रमुख कांग्रेस कार्यकर्ता कन्हैयालाल

सोमानी, सत्यनारायण जाट, संदीप नाई, गोरधन खिलेरी, रामचंद्र चोटिया, मुखराम नेण, प्रकाश नाथ ज्याणी, रामनारायण नाथसिद्ध, विजयराज सेवग, हीरालाल जाट, प्रहलाद सुनार, हेमराज वाल्मीकि, प्रकाश दुसाद, अयूब दमामी, सोहन लाल माहिया, वेदप्रकाश वाल्मीकि, आनंद वाल्मीकि, राजेश मंडा और राजन मूंड सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

चोरी के लिए भारतीय न्याय संहिता में सख्त सजा

चोरी की वारदातें हम सुनते और पढ़ते रहते हैं। वर्तमान में भारतीय न्याय संहिता के अनुसार चोरी की घटना में दोषी पाए जाने वाले व्यक्ति के विरुद्ध सख्त सजा और जुर्माने का प्रावधान है।आज हम एडवोकेट दीपिका करनाणी से चोरी में दोषी व्यक्ति को विभिन्न धाराओं के तहत मिलने वाली सजा के बारे में जानेंगे।

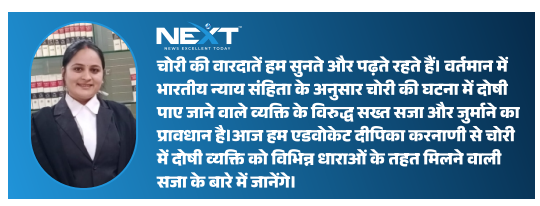

चोरी की परिभाषा: कोई व्यक्ति जब किसी व्यक्ति के कब्जे से चल संपत्ति बेईमानी के आशय से उस व्यक्ति के कब्जे से हटाता है तो वह चोरी कही जाती है। यहाँ एक बात ध्यान देने योग्य है कि चोरी में बेईमानी का आशय होना जरूरी है और चोरी के लिए चल संपत्ति को मालिक के कब्जे से हटाना आवश्यक होता है।

धारा 303 के अनुसार चोरी अगर किसी खुले स्थान से की गई है तो 3वर्ष तक कारावास और जुर्माने की सजा मिल सकती है।

धारा 305 के अनुसार अगर कोई व्यक्ति किसी मकान, तम्बू या जलयान से चोरी करता है तो उसे 7वर्ष का कारावास और जुर्माने से दंडित किया जा सकता है।

धारा 306 के अनुसार अगर कोई लिपिक या सेवक होते हुए अपने मालिक के कब्जे से कोई संपत्ति चोरी करता है तो उसे 7वर्ष तक का कारावास और जुर्माने से दण्डित किया जा सकता है।

धारा 307 के अनुसार अगर कोई व्यक्ति चोरी करने के उद्देश्य से मृत्यु/ चोट या बंधक बनाने की तैयारी के पश्चात चोरी करता है तो उसे 10वर्ष का कारावास और जुर्माने से दण्डित किया जा सकता है।

NEXT™ 2025
NEWS EXCELLENT TODAY

श्रेष्ठ सुप्रभात

समय-नियोजन व्यवस्थित जीवन का एक महत्त्वपूर्ण अंग है। दिनचर्या को निर्धारित रखो, काम अच्छा होगा। 'समय पर काम करो' इस सूत्र को अजमाकर देखो कि दिन कितना व्यवस्थित बीतता है।

-आचार्य महाश्रमण

नववर्ष नवोन्मेष, करें 2025 में प्रवेश।
बढ़ता रहे स्नेह, वात्सल्य, प्रेम अनिमेष।।

E- Paper NEXT 0021

newsexcellenttoday.com | 01 जनवरी 2025, बुधवार | पौष, शुक्ल पक्ष द्वितीया - 2081

NEXT के साथ जाने 2025 के सभी त्यौहार, छुट्टियां और अन्य सभी महत्त्वपूर्ण दिवसों के बारे में

जनवरी 2025

4 जनवरी, शनिवार	विश्व ब्रेल दिवस
6 जनवरी, सोमवार	गुरु गोविंद सिंह जयंती
10 जनवरी, शुक्रवार	विश्व हिंदी दिवस
12 जनवरी, रविवार	नेशनल यूथ डे
13 जनवरी, सोमवार	महाकुंभ शुरू (प्रयागराज)
13 जनवरी, सोमवार	लोहड़ी
14 जनवरी, मंगलवार	मकर संक्रांति/पोंगल
26 जनवरी, रविवार	76वां गणतंत्र दिवस

फरवरी 2025

2 फरवरी, रविवार	वसंत पंचमी
4 फरवरी, मंगलवार	विश्व कैंसर दिवस
12 फरवरी, बुधवार	गुरु रविदास जयंती
26 फरवरी, बुधवार	महाशिवरात्रि

मार्च 2025

1 मार्च, शनिवार	रामकृष्ण जयंती
2 मार्च, रविवार	रमजान शुरू
8 मार्च, शनिवार	अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस
13 मार्च, गुरुवार	होलिका दहन
14 मार्च, शुक्रवार	होली/धुलेंडी
14 मार्च, शुक्रवार	चैतन्य महाप्रभु जयंती
22 मार्च, शुक्रवार	विश्व जल दिवस
30 मार्च, रविवार	गुड़ी पड़वा
30 मार्च, रविवार	हिंदू नववर्ष
30 मार्च, रविवार	चैत्र नवरात्रि
30 मार्च, रविवार	झूलेलाल जयंती
31 मार्च, सोमवार	गणगौर तीज
31 मार्च, सोमवार	ईद उल फित्र

22 जनवरी - बुधवार
राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा पहली वर्षगांठ

अप्रैल 2025

8 अप्रैल, मंगलवार	रामनवमी
10 अप्रैल, गुरुवार	महावीर जयंती
14 अप्रैल, सोमवार	बैसाखी
14 अप्रैल, सोमवार	अंबेडकर जयंती
18 अप्रैल, शुक्रवार	गुड फ्राइडे
22 अप्रैल, मंगलवार	वर्ल्ड अर्थ डे
30 अप्रैल, बुधवार	अक्षय तृतीया
30 अप्रैल, बुधवार	परशुराम जयंती

मई 2025

1 मई, गुरुवार	अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस
2 मई, शुक्रवार	शंकराचार्य जयंती
12 मई, सोमवार	बुद्ध पूर्णिमा
26 मई, सोमवार	वट सावित्री व्रत
27 मई, मंगलवार	शनि जयंती
31 मई, शनिवार	वर्ल्ड नो-टोबैको डे

जून 2025

5 जून, गुरुवार	गंगा दशहरा
5 जून, गुरुवार	विश्व पर्यावरण दिवस
6 जून, शुक्रवार	गायत्री जयंती
7 जून, शनिवार	बकरीद
11 जून, बुधवार	कबीरदास जयंती
21 जून, शनिवार	अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस
27 जून, शुक्रवार	जगन्नाथ रथयात्रा

13 जनवरी महाकुम्भ
29 जनवरी महाकुम्भ दूसरा शाही स्नान
3 फरवरी महाकुम्भ तीसरा शाही स्नान
12 फरवरी महाकुम्भ चौथा शाही स्नान
26 फरवरी महाकुम्भ पांचवा शाही स्नान

जुलाई 2025

6 जुलाई, रविवार	देवशयनी एकादशी
6 जुलाई, रविवार	मुहर्रम
10 जुलाई, गुरुवार	गुरु पूर्णिमा
11 जुलाई, शुक्रवार	सावन महीना शुरू
26 जुलाई, शनिवार	करगिल विजय दिवस
27 जुलाई, रविवार	हरियाली तीज
29 जुलाई, मंगलवार	नाग पंचमी
31 जुलाई, गुरुवार	तुलसीदास जयंती

अगस्त 2025

9 अगस्त, शनिवार	रक्षाबंधन
15 अगस्त, शुक्रवार	78वां स्वंतत्रता दिवस
15 अगस्त, शुक्रवार	श्रीकृष्ण जन्माष्टमी
26 अगस्त, मंगलवार	हरतालिका तीज
27 अगस्त, बुधवार	गणेश चतुर्थी
31 अगस्त, रविवार	राधा अष्टमी

सितंबर 2025

5 सितंबर, शुक्रवार	ओणम
5 सितंबर, शुक्रवार	ईद मिलाद उन नबी
5 सितंबर, शुक्रवार	टीचर्स डे
6 सितंबर, शनिवार	अनंत चतुर्दशी
6 सितंबर, शनिवार	गणेश विसर्जन
7 सितंबर, रविवार	पितृपक्ष शुरू
14 सितंबर, रविवार	हिंदी दिवस
17 सितंबर, बुधवार	विश्वकर्मा जयंती
21 सितंबर, रविवार	सर्वपितृ अमावस्या
22 सितंबर, सोमवार	नवरात्रि शुरू
22 सितंबर, सोमवार	महाराजा अग्रसेन जयंती
27 सितंबर, शनिवार	वर्ल्ड टूरिज्म डे
29 सितंबर, सोमवार	वर्ल्ड हार्ट डे
30 सितंबर, मंगलवार	दुर्गाष्टमी

अक्टूबर 2025

1 अक्टूबर, बुधवार	दुर्गा नवमी
2 अक्टूबर, गुरुवार	गांधी जयंती
2 अक्टूबर, गुरुवार	दशहरा
6 अक्टूबर, सोमवार	शरद पूर्णिमा
7 अक्टूबर, मंगलवार	वाल्मीकि जयंती
10 अक्टूबर, शुक्रवार	करवा चौथ
15 अक्टूबर, बुधवार	वर्ल्ड स्टूडेंट्स डे
18 अक्टूबर, शनिवार	धनतेरस
19 अक्टूबर, रविवार	रूप चौदस
20 अक्टूबर, सोमवार	दीपावली
22 अक्टूबर, बुधवार	गोवर्धन पूजा
23 अक्टूबर, गुरुवार	भाई दूज
27 अक्टूबर, सोमवार	छठ पूजा पहला अर्घ्य
28 अक्टूबर मंगलवार	छठ पूजा दूसरा अर्घ्य

नवंबर 2025

1 नवंबर, शनिवार	देवउठनी एकादशी
1 नवंबर, शनिवार	तुलसी विवाह
5 नवंबर, बुधवार	कार्तिक पूर्णिमा
5 नवंबर, बुधवार	गुरुनानक जयंती
12 नवंबर, बुधवार	कालभैरव जयंती

दिसंबर 2025

1 दिसंबर, सोमवार	वर्ल्ड एड्स डे
4 दिसंबर, गुरुवार	दत्तात्रेय जयंती
16 दिसंबर, मंगलवार	धनु संक्रांति
25 दिसंबर, गुरुवार	क्रिसमस

21 मार्च - पारसी नववर्ष शुरू
30 मार्च - हिंदू नववर्ष
27 जून- इस्लामी नया साल

नववर्ष की अशेष शुभकामनाएं

NEXT - परिवर्तन और नवाचार की ओर एक कदम

प्रिय पाठकों, नववर्ष 2025 के इस शुभ अवसर पर, NEXT टीम आपके जीवन में खुशियों, समृद्धि और सफलता की कामना करती है। नया साल न केवल एक नई शुरुआत है, बल्कि यह हमें अपने लक्ष्यों को पाने के लिए नए जोश और उत्साह से प्रेरित करता है।

NEXT टीम हमेशा आपके विश्वास के साथ सटीक, निष्पक्ष और स्वतंत्र पत्रकारिता में अपना योगदान देती रही है और इस नए साल में भी हम इस प्रतिबद्धता को और मजबूत करेंगे।

हम सनसनी-फटाफट-बढ़ाचढाकर पेश की जाने वाली खबरों से दूर रहते हुए केवल सटीक, तथ्यात्मक और प्रामाणिक खबरें आपके तक पहुँचाने का प्रयास करेंगे, ताकि आप हमेशा सही जानकारी से अवगत रहें।

हमारा उद्देश्य केवल खबर देना नहीं, बल्कि एक जिम्मेदार पत्रकारिता का पालन करते हुए, आपको हर पहलू से, सच से रूबरू कराना है। इस नए साल में हम अपने प्रयासों को और तेज करेंगे और नवाचार के साथ आपको हर दिन नई और सटीक जानकारी प्रदान करेंगे।

आइए, हम सब मिलकर इस नववर्ष को उम्मीदों और संकल्पों से भरपूर बनाएं। आपके जीवन में हर कदम पर सफलता हो और नए अवसरों से भरा हो।

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं!

सर्दी से बचाने के लिए देवनारायण कॉलोनी में बना गौ रैन बसेरा

NEXT सर्दियों के बढ़ते सितम के बीच देवनारायण कॉलोनी के निवासियों ने मानवता और संवेदनशीलता की मिसाल पेश की है। कॉलोनीवासियों ने आवारा गौवंश को ठंड से बचाने के लिए अस्थाई गौ रैन बसेरा तैयार किया है।

इस पहल की शुरुआत कॉलोनी निवासी पूनमसिंह ने की। उन्होंने बताया, "ठिठुरती रातों में जब हमने आवारा गौवंश को सर्दी से परेशान देखा तो मन में तकलीफ हुई। इसके बाद मोहल्ले के सभी निवासियों ने मिलकर गौवंश को ठंड से बचाने का फैसला किया और यह रैन बसेरा तैयार किया।

इस कार्य में सुल्तान दास स्वामी, फूलाराम सिंवर, धनराज गुर्जर और अन्य कॉलोनीवासियों ने सहयोग दिया। रैन बसेरे में गौवंश के लिए चारे और पानी की भी व्यवस्था की गई है। देवनारायण कॉलोनी की इस पहल की स्थानीय स्तर पर सराहना हो रही है।